University in News on 16 July 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि : प्रवेश पत्र जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को एलएलबी व एमबीए के सत्र 2025-26 की प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि त्रिवर्षीय एलएलबी और एमबीए की सीटों पर प्रवेश के लिए www.lkouniv.ac.in के समर्थ पोर्टल से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते है। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि का विधि संकाय देश के शीर्ष 13 विधि संस्थानों में शामिल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को देश के शीर्ष 13 सरकारी विधि संस्थानों में 11वां स्थान हासिल हुआ है। यह रैंकिंग आउटलुक आईकेयर की ओर से देशभर के शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता, शिक्षण पद्धति, अनुसंधान कार्य, इंफ्रास्ट्रक्चर और समग्र प्रतिष्ठा जैसे मानकों के आधार पर तय की गई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह अत्यंत गर्व का क्षण है। यह रैंकिंग हमारे शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और प्रशासनिक कर्मचारियों के अथक मेहनत का परिणाम है। विधि संकाय के हेड प्रो. बीडी सिंह ने कहा कि पाठ्यक्रम में नवाचार, व्यावसायिक प्रशिक्षण और शोध को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस रैंकिंग से हमें और बेहतर करने की प्रेरणा मिली है। (माई सिटी रिपोर्टर)

चार कोर्स के परिणाम घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सम सेमेस्टर-2025 परीक्षा के तहत मंगलवार को चार कोर्स के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी करते हुए एमएसडब्ल्यू, बीयूएमएस और पंच वर्षीय एलएलबी के सम सेमेस्टर के परिणाम घोषित होने की जानकारी दी। अभ्यर्थी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर विस्तृत परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। परिणाम में किसी तरीके की समस्या अथवा त्रुटि होने पर परीक्षा विभाग में संपर्क किया जा सकता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

पुरातत्व संग्रहालय में गैलरी-सभागार का लोकार्पण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रो. बीएन. श्रीवास्तव पुरातत्व संग्रहालय में मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रागैतिहासिक गैलरी व सभाकक्ष का लोकार्पण किया। इस वीथिका (गैलरी) में पाषाण काल के उपकरण, मध्य प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध पुरास्थल भीम बेटका के शैल चित्र और कल्ली पच्छिम लखनऊ और बहराइच के चरदा उत्खनन से मिले पुरावशेषों को प्रदर्शित किया गया है। विभाग के प्रोफेसर डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. वीके शर्मा, प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. डीके सिंह, डीन मैनेजमेंट प्रो. संगीता साहू, प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. अनिल कुमार, लूटा अध्यक्ष प्रो. अनित्य गौरव, महामंत्री प्रो. राममिलन आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 1

प्रो. आलोक बने IIM कलकत्ता के निदेशक

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को IIM कलकत्ता का नया निदेशक बनाया गया है। केंद्रीय उच्च शिक्षा विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है। प्रो. आलोक का LU में दूसरा कार्यकाल इसी साल पूरा हो रहा है।

HINDUSTAN PAGE 1, 6

प्रो. आलोक राय बने आईआईएम निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को भारतीय प्रबंधन संस्थान कलकत्ता का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। वह अगले पांच वर्ष तक इस पद पर बने रहेंगे। इस संबंध में भारत सरकार के संयुक्त सचिव पीके बनर्जी ने आदेश जारी किया है। ब्योरा P06

गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान आगे बढ़ाने का लक्ष्य: आलोक राय

- बीएचयू में प्रबंधन विभाग में प्रोफेसर रहे प्रो. राय
- एकेटीयू समेत कई विवि में निभाई जिम्मेदारी

लखनऊ, संवाददाता। कुलपति प्रोफेसर आलोक राय का कहना है कि मेरा पूरा ध्यान अकादमिक कार्यों को बेहतर करने, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को आगे बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालयों व संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित कर कार्य करने पर रहेगा। मेरा मानना है कि किसी भी संस्थान की उन्नति उसकी जड़ों के साथ जुड़कर कार्य करने से होती है।

बता दें कि बनारस हिन्दू विवि में प्रबंधन अध्ययन संकाय में प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर आलोक कुमार राय को वर्ष 2019 में लखनऊ विश्वविद्यालय के 41वें कुलपति के तौर पर नियुक्ति मिली थी। जिसके बाद प्रोफेसर राय को वर्ष 2022 में दोबारा तीन साल के लिए कुलपति बनाया गया। साथ ही प्रोफेसर राय ने बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी, भाषा विश्वविद्यालय और एकेटीयू सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला है। प्रोफेसर राय के कार्यकाल में एलयू को नैक से ए डबल प्लस मिला।

i-NEXT PAGE 4

एलयू लॉ फैकल्टी को देश में 11वां स्थान

आईसीएआरई ने जारी की लिस्ट, एलयू में खुशी की लहर

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी ने एक बार फिर एजुकेशन, इनोवेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर के दम पर पूरे देश में नाम रोशन किया है. आईसीएआरई द्वारा जारी भारत के टॉप 13 लॉ इंस्टीट्यूट्स में से एलयू की लॉ फैकल्टी को 11वां स्थान मिला है.

'अत्यंत गर्व का क्षण है'

इस उपलब्धि को लेकर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है कि लखनऊ यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी को राष्ट्रीय स्तर पर 11वां स्थान प्राप्त हुआ है. यह रैंकिंग हमारे टीचर्स, रिसर्चर्स, स्टूडेंट्स और प्रशासनिक कर्मचारियों की अथक मेहनत का परिणाम है. मैं लॉ फैकल्टी को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में हम और ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे. इसके साथ ही लॉ फैकल्टी के डीन प्रो. बीडी सिंह ने कहा कि यह उपलब्ध बेहतरीन टीम वर्क का रिजल्ट है, इससे हमें और बेहतर करने की प्रेरणा मिली है.

ऑडिटोरियम का किया लोकार्पण

यूनिवर्सिटी के एआईएच डिपार्टमेंट में स्थित प्रो. बीएन श्रीवास्तव पुरातत्व संग्रहालय में प्रागैतिहासिक वीथिका एवं सभाकक्ष का इनॉगरेशन वीसी प्रो. राय द्वारा किया गया. एआईएच के प्रोफेसर डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह संग्रहालय 1970 के दशक में प्रोफेसर बीएन श्रीवास्तव के विशेष सहयोग से स्थापित किया गया था. उन्होंने अपने समर्पित प्रयासों से अनेक स्मारकों के मॉडल एवं मूर्तियों आदि को एकत्रित करके इस संग्रहालय की अवस्थापना की थी और अब इसे एक बार फिर से रेनोवेट किया गया है.

प्रो. आलोक बने आईआईएम के निदेशक

30 दिसंबर 2019 को वीसी के रूप में संभाला था पदभार

LUCKNOW (15 July): लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय आइआइएम कोलकाता के अगले निदेशक होंगे. प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निदेशक के लिए राय के नाम को मंजूरी दे दी है. हालांकि प्रो. आलोक कुमार राय ने इस बात की पुष्टि नहीं की. संस्थान ने एक समिति गठित की थी, जिसने पिछले साल नामों का एक पैनल सुझाया था. शिक्षा मंत्रालय ने इस साल मई में इसे अस्वीकार कर दिया था.

पैनल ने सुझाया था नाम

इसके बाद मंत्रालय ने समिति से संभावित उम्मीदवारों का एक और पैनल सुझाने को कहा, जिसके बाद दूसरे पैनल में प्रोफेसर राय के नाम की सिफारिश की गई थी. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ मैनेजमेंट साइंसेज के प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने 30 दिसंबर 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति पद की कमान संभालने के बाद उसे शैक्षिक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. उनके कार्यकाल में लखनऊ विश्वविद्यालय देश में सबसे पहले परास्नातक और फिर स्नातक स्तर पर नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला संस्थान बना. 100 साल के इतिहास में पहली बार हुए नैक मूल्यांकन में नैक ए प्लस प्लस ग्रेड मिलना और यूजीसी ग्रेड वन कैटेगिरी विश्वविद्यालय का दर्जा पाने जैसी बड़ी उपलब्धि भी विश्वविद्यालय के खाते में आई. दो कैंपस वाले इस विश्वविद्यालय का दायरा लखनऊ से बढ़ाकर हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के कालेजों तक बढ़ने का काम भी प्रोफेसर आलोक राय के कार्यकाल में ही हुआ. इनके बेहतर कार्यों की वजह से ही राजभवन से उन्हें बतौर कुलपति दूसरा कार्यकाल भी मिला. प्रोफेसर आलोक कुमार राय को लवि कुलपति के रूप में पहला कार्यकाल 30 दिसंबर 2019 को मिला.

विदेशी स्टूडेंट्स की पसंद

प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, श्री लंका सहित देशों के साथ एमओयू भी किया. वहां के विदेशी विद्यार्थियों को लवि में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई, जिसकी वजह से लगातार इन छात्र-छात्राओं की संख्या लवि में बढ़ी. बीते पांच साल में इस बार सबसे ज्यादा 73 देशों के 2379 विदेशी विद्यार्थियों यहां पढ़ने के लिए आवेदन किया.

JAGRAN CITY PAGE I, III

प्रो. आलोक राय ने बदल दी लखनऊ विश्वविद्यालय की आभा

अखिल सक्सेना • जागरण

- 2019 को लवि के कुलपति के रूप में संभाला था पदभार
- पहले कार्यकाल की उपलब्धियों के कारण मिला था दूसरा कार्यकाल

लखनऊ : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ मैनेजमेंट साइंसेज के प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने का काम किया। 30 दिसंबर 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति पद की कमान संभालने के बाद उन्होंने विश्वविद्यालय को शैक्षिक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। यही वजह है कि पांच सालों में विदेशी छात्र-छात्राओं का रुख लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर हुआ। उनकी मेहनत का ही नतीजा था कि लखनऊ विश्वविद्यालय देश में सबसे पहले परास्नातक और स्नातक में नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला संस्थान बना। जुलाई 2022 में नैक ए प्लस प्लस ग्रेड हो या नंबवर 2022 में यूजीसी ग्रेड वन कैटेगिरी विश्वविद्यालय का दर्जा, ये बड़ी उपलब्धियां भी विश्वविद्यालय के खाते में उनके कार्यकाल में आईं।

30 दिसंबर 2025 को प्रोफेसर आलोक कुमार राय का दूसरा कार्यकाल पूरा होना है। उससे पहले ही उनका चयन आइआइएम कोलकाता में निदेशक पद के लिए हो गया है। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के विकास में वरदान साबित हुए। 30 दिसंबर 2019 को कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं दूर करने पर जोर दिया। सभी छात्रावासों का सुंदरीकरण सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराना शुरू कीं।

नए कोर्सों से बढ़ी मांग : कुलपति ने विश्वविद्यालय में बीफार्मा, डीफार्मा से लेकर योग सहित अन्य पाठ्यक्रम शुरू कराने के साथ-साथ कई नए संकाय की भी स्थापना की। इंजीनियरिंग संकाय में उच्च तकनीक की प्रयोगशालाओं की सुविधाएं उपलब्ध कराईं। यही वजह है कि इंजीनियरिंग और फार्मेसी जैसे कोर्सों में दाखिले के लिए कड़ी टक्कर होती है। परिसर में कई नए इंस्टीट्यूट से लेकर विभागों, संकायों व सभागारों का सुंदरीकरण होने से परिसर अलग रूप में नजर आता है। कैंपस में बनवाया गया सेल्फी प्वाइंट हर किसी के लिए आकर्षण का केंद्र बना है।

लखनऊ विश्वविद्यालय • जागरण आर्काइव

लवि बना विदेशी विद्यार्थियों की पसंद

प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, श्री लंका सहित देशों के साथ एमओयू भी किया। वहां के विदेशी विद्यार्थियों को लवि में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई, जिसकी वजह से लगातार इन छात्र-छात्राओं की संख्या लवि में बढ़ी। बीते पांच साल में इस बार सबसे ज्यादा 73 देशों के 2379 विदेशी विद्यार्थियों यहां पढ़ने के लिए आवेदन किया।

ये भी रहीं उपलब्धियां

- एनआइआरएफ रैंकिंग 2024 में टाप 100 में लवि पहुंचा
- पांच वर्षों में तीन बार सभी विभागों का पाठ्यक्रम इंडस्ट्री और समय की मांग के अनुसार तैयार कराया।
- पीएम ऊषा के तहत 100 करोड़ की मंजूरी।
- आनलाइन और दूरस्थ शिक्षा की शुरुआत
- कर्मचारियों को नए आवास की सुविधा
- शिक्षक छात्र अनुपात को ठीक करने के लिए करीब 175 शिक्षकों की भर्ती।

लवि में वीथिका और सभाकक्ष का लोकार्पण

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में नवीनीकृत प्रो. बीएन श्रीवास्तव पुरातत्व संग्रहालय में वीथिका का लोकार्पण कर दौरा किया • सौजन्य से लवि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग में नवीनीकृत प्रो. बीएन श्रीवास्तव पुरातत्व संग्रहालय में प्रागैतिहासिक वीथिका एवं सभाकक्ष का लोकार्पण मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के प्रोफेसर डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह संग्रहालय 1970 के दशक में प्रोफेसर बीएन श्रीवास्तव के विशेष सहयोग से स्थापित किया गया था। उन्होंने अपने प्रयासों से अनेक स्मारकों के माडल एवं मूर्तियों आदि को एकत्रित करके इस संग्रहालय की अवस्थापना की। उसके बाद 1997 में इस संग्रहालय का विस्तार प्रो. डीपी तिवारी ने किया। उन्होंने विभिन्न पुरास्थलों के उत्खनति पुरावशेषों से इस संग्रहालय को और समृद्ध करने में और वर्तमान स्वरूप प्रदान करने में योगदान दिया। अब संग्रहालय की इस वीथिका को नवीनीकृत करके आधुनिक बनाया गया। यहां पाषाण काल के उपकरण, मध्य प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध पुरास्थल भीम बेटका के शैल चित्र और कल्ली पच्छिम (लखनऊ) एवं चरदा (बहराइच) उत्खनन से प्राप्त पुरावशेषों को प्रदर्शित किया गया है।

DAINIK JAGRAN PAGE 1

लवि कुलपति प्रो. आलोक राय बने आइआइएम कोलकाता के निदेशक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय आइआइएम कोलकाता के अगले निदेशक होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने निदेशक के लिए राय के नाम को मंजूरी दे दी है। प्रो. राय 30 दिसंबर 2019 को पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति बने थे।

संस्थान ने एक समिति गठित की थी, जिसने पिछले साल नामों का एक पैनल सुझाया था। शिक्षा मंत्रालय ने इस साल मई में इसे अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद मंत्रालय ने समिति से संभावित उम्मीदवारों का एक और पैनल सुझाने को कहा, जिसके बाद दूसरे पैनल में प्रोफेसर राय के नाम की सिफारिश की गई थी। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ मैनेजमेंट साइंसेज के प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने 30 दिसंबर 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति पद की कमान संभालने के बाद उसे शैक्षिक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल में लखनऊ विश्वविद्यालय देश में सबसे पहले परास्नातक और फिर स्नातक स्तर पर नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला संस्थान बना। 100 साल के इतिहास में पहली बार हुए नैक मूल्यांकन में नैक ए प्लस प्लस ग्रेड मिलना और यूजीसी ग्रेड वन कैटेगिरी विश्वविद्यालय का दर्जा पाने जैसी बड़ी उपलब्धि भी विश्वविद्यालय के खाते में आई। दो कैंपस वाले इस विश्वविद्यालय का दायरा लखनऊ से बढ़ाकर हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर खीरी के कालेजों तक बढ़ने का काम भी प्रोफेसर आलोक राय के कार्यकाल में ही हुआ। इनके बेहतर कार्यों की वजह से ही राजभवन से उन्हें बतौर कुलपति दूसरा कार्यकाल भी मिला। प्रोफेसर आलोक कुमार राय को लवि कुलपति के रूप में पहला कार्यकाल 30 दिसंबर 2019 को मिला। उन्होंने कार्यभार संभालने के बाद सबसे पहले छात्र-छात्राओं की सुविधाओं को दुरुस्त करने पर फोकस किया।

30 दिसंबर 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति बने थे डा. राय

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय • फाइल

संबंधित खबर » जागरण सिटी।

AMRIT VICHAR PAGE 7

कुलपति ने किया सभाकक्ष का लोकार्पण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व विभाग में नवीनीकृत प्रो. बीएन श्रीवास्तव पुरातत्व संग्रहालय में प्रागैतिहासिक वीथिका एवं सभाकक्ष का लोकार्पण कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा किया गया।

विभाग के प्रो. डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह संग्रहालय 1970 के दशक में प्रोफेसर बीएन श्रीवास्तव के विशेष सहयोग से स्थापित किया गया था। उन्होंने अपने समर्पित प्रयासों से अनेक स्मारकों के मॉडल एवं मूर्तियों आदि को एकत्रित करके इस संग्रहालय की अवस्थापना की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की प्रेरणा से संग्रहालय की इस वीथिका को नवीनीकृत करके इसे आधुनिक बनाया गया और सुसज्जित किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा, डीन आर्ट प्रो. अरविंद मोहन, कार्य अधीक्षक प्रोफेसर डीके सिंह, डीन मैनेजमेंट प्रो. संगीता साहू, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

डा. आलोक राय को आईआईएम कलकत्ता का निदेशक बनाए जाने की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय के नए कुलपति के लिए राजभवन ने मांगे आवेदन

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति (वीसी) डा. आलोक कुमार राय को आईआईएम कलकत्ता का निदेशक बनाए जाने की चर्चा को एक पत्र द्वारा बल मिलता दिख रहा है। उक्त पत्र शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव पीके बनर्जी की ओर से आईआईएम कलकत्ता के चेयरपर्सन (बोर्ड आफ गवर्नर्स) डा. श्रीकृष्ण जी कुलकर्णी को संबोधित करते हुए लिखा गया है। पत्र का मजमून डा.आलोक कुमार राय को आईआईएम कलकत्ता का नया निदेशक बनाए जाने की तस्दीक कर रहा है। 10 जुलाई को राजभवन की ओर से जारी किए गए विज्ञापन में नए कुलपति के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किया जाना भी इस बात को प्रमाणित कर रहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) को डा. आलोक की जगह अब कोई नया कुलपति मिल सकता है।

लविवि के नए कुलपति पद के आवेदन के लिए 11 अगस्त अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। वर्तमान कुलपति डा. आलोक कुमार राय दो बार लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य कर चुके हैं। विश्वविद्यालय के इतिहास में वह एकमात्र कुलपति हैं, जिनको दो बार बतौर कुलपति कार्य करने का अवसर मिला है।

डा. आलोक ने 30 दिसंबर 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर कार्यभार संभाला था। तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद उनको दूसरी बार 30 दिसंबर 2022 को लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया। डा. आलोक के कार्यकाल के दौरान ही देश में नई शिक्षा नीति लागू की गई। जिसको प्रदेश में सबसे पहले लागू करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय बना।

लविवि का विधि संकाय देश के टॉप 13 संस्थानों में शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय का विधि संकाय देश के टॉप 13 विधि संस्थानों में शामिल हो गया है। विश्वविद्यालय के खाते में इस नई उपलब्धि के दर्ज होने पर हर्ष का वातावरण है। इस रैंकिंग को देशभर के शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता, शिक्षण पद्धति, अनुसंधान कार्य, अधोसंरचना और समग्र प्रतिष्ठा जैसे मानकों के आधार पर तय किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को देश में टॉप 11 वें स्थान पर रखा गया है।

> यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है कि लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को राष्ट्रीय स्तर पर 11वां स्थान प्राप्त हुआ है। यह रैंकिंग हमारे शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और प्रशासनिक कर्मचारियों की अथक मेहनत का परिणाम है।
> -डॉ. आलोक कुमार राय, कुलपति

एक राष्ट्रीय संस्थान द्वारा जारी 2025 की टॉप 13 सरकारी विधि संस्थानों की रैंकिंग में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने 11वां स्थान प्राप्त कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस रैंकिंग को देशभर के शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता, शिक्षण पद्धति, अनुसंधान कार्य, अधोसंरचना और समग्र प्रतिष्ठा जैसे मानकों के आधार पर तय किया गया है। यह उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय की विधि शिक्षा में सुदृढ़ता को दर्शाती है, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि किस प्रकार लखनऊ विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक मिशन को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

HT PAGE 1, 8

Prof Alok Kumar Rai SOURCED

LU VC APPOINTED IIM-C DIRECTOR

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Lucknow University vice-chancellor professor Alok Kumar Rai has been appointed as the director of Indian Institute of Management-Calcutta (IIM-C).

According to a letter issued by the ministry of education, following the approval by President Droupadi Murmu in her capacity as the visitor of IIM-C, Rai has been appointed as its director under Section 16 (2) of the Indian Institutes of Management Act, 2017 (amended in

continued on →8

LU VC BECOMES IIM-C DIR

2023).

A copy of the appointment letter must be issued by the IIM-C Board and acceptance letter by Rai has to be sent to the ministry for records, as per the letter.

It is for the first time in the history of Lucknow University that any vice-chancellor will be joining a central institute like IIM. It's also a rare instance when a non-IIM professor will be appointed as the IIM director.

IIM-C has not had a regular full-term director for nearly two years now. Prior to his Lucknow University assignment, Rai served as a professor of management at the Banaras Hindu University. He also held several posts in various high-level committees and panels.

Under Rai's leadership, LU became the first university in UP to be accredited with an A++ grade by NAAC. It was conferred Category-I status by the UGC, and ranked among the top 100 institutions in the National Institutional Ranking Framework (NIRF), securing the 32nd position among State Public Universities. The university also implemented the New Education Policy (2020). Rai led LU during the centennial year and conducted the 100-year celebrations.

LU emerged as a preferred destination for international students, hosting one of the largest cohorts of international learners among Indian universities until last year. The university launched LUCODE (Lucknow University Centre for Online and Distance Education) and developed its own digital learning platform SLATE under his leadership. It was under his leadership that new faculties like - Pharmacy, Management and Agriculture have been started in the university and the planning for a third campus has been sketched.

The V-C also contributed to the infrastructural development of the university. HT tried contacting Rai over phone but with no answer.

IIM-C HAS NOT HAD A REGULAR FULL-TERM DIRECTOR FOR NEARLY TWO YEARS NOW

TOI PAGE 1, 5

LU VC Prof Alok Rai to take over as new director of IIM-Calcutta

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

LU VC Prof Alok Kumar Rai

Lucknow: Prof Alok Kumar Rai, the vice-chancellor of Lucknow University, will take over as the next director of the prestigious Indian Institute of Management-Calcutta. His appointment has been approved by President Droupadi Murmu, who is the visitor of the 64-year old institute. He will replace the present director in-charge Saibal Chattopadhyay, who assumed the role in Jan 2024.

While Rai refused to comment about his appointment, reliable sources have confirmed the development. Notifying about Prof Rai's appointment through a letter dated July 11 to Dr Shrikrishna G Kulkarni, the chairperson of the Board of Governors, IIM-C, the joint secy of department of education has said: "I have been directed to convey that the Hon'ble President of India, in her capacity as the Visitor of IIM-Calcutta, has approved the name of Prof Alok Kumar Rai, vice-chancellor, Lucknow University, for appointment as director of IIM-Calcutta as per Section 16(2) of the Indian Institutes of Management Act, 2017 (as amended in 2023) and Rules framed thereunder."

At present, Chattopadhyay is the officiating director of the highly ranked B-school following the departure of full-time director Sahadeb Sarkar in Jan 2024. The institute was undergoing the process of appointing a new, permanent director for the past few months.

▸25 yrs of experience, P 5

LU VC has 25 yrs of teaching experience

▸Continued from P 1

Alok Rai is credited with making LU an A++ accredited university, awarded by the NAAC, for helping the varsity get University Grants Commission category 1, and for making LU the first university in the country to implement the National Education Policy at both the undergraduate and postgraduate levels. Also, he is the only VC in over 100 years of LU's history to get two consecutive full-time terms. He is a professor at the faculty of management studies, Banaras Hindu University, and holds 25 years of teaching and research experience.

His term as the LU V-C started in Dec 2019 had has held additional charge as V-C of Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi, Dr BR Ambedkar University, Agra, Khwaja Moinuddin Chishti Language University, and Dr APJ Abdul Kalam Technical University.

He is member of the general council of NCERT from 2024 to 2027, UGC nominee, national apprenticeship training scheme, Board of Apprenticeship Training (Northern Region) from 2025 to 2028, Chancellor's Nominee, University Council, University of Jammu from 2024 to 2027.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

प्रो. आलोक कुमार राय बने भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता के नये निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को भारतीय प्रबंधन संस्थान कोलकाता का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। इस संबंध में राष्ट्रपति की ओर से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव पीके बनर्जी ने इस संबंध में आईआईएम कोलकाता के चेयरपर्सन आफ बोर्ड आफ गवर्नेंस डॉक्टर श्री कृष्ण जी कुलकर्णी को मंगलवार को निर्देश जारी किया है।